Burning away of petroleum gas

283. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAs be pleased to state:

(a) the quantity of unused petroleum gas burnt in 1986-87 and what is the estimated unused petroleum gas to be burnt in 1987-88; and

(b) what steps Government propose to take to prevent this national loss?

THE MINISTER OF STATE OF THR MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS AND THE MINISTER: OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI BRAHM DUTT): (a) During 1986-87 about 2720 mil lion cubic metres of natural gas was flared. As one of the major reasons for flaring of gas is non utiliation of the committed offtake by consumers, the exact quantity of gas that would be flared in. 1987-88- cannot be precisely estimated. It is, however, expected that flaring will come down.

(b) The following steps are being taken to reduce,flaring;

— Additional compression facili ties are being provided in the Western offshore region.

— Plans are being made for uti-lisation of small quantities of natural gas which is being flared in isolated fields In Gujarat region.

— In the eastern region, ONGC & OIL have commixed gas to new consumers.

— GAIL have also undertaken a study on connecting various oilfields in Assam by a network-work of pipeline to form a grid.

— fallback consumers arc being developed to utilise gas when regular consumers fail to lift committed quantities.

प्राकृतिक गैस की स्थिति

284. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश में प्राकृतिक गैस की उपलब्धता की स्थिति क्या है और सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान इसमें कितनी वृद्धि होगी और इसकी भविष्य में क्या संभावनाएं है ;

(ख) स्वदेशी तथा विदेशी सहायता के माध्यम से इसके विकास के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं; और

(ग) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा कारगर कदम न उठाये जाने के कारण गैस-चुल्हों के निर्माता व्यापारी बेरोजगार व्यक्तियों का गलत उपयोग करके उनका शोषण कर रहे हैं, यदि हां, तो गैस-चुल्हों के निर्माण के व्यवसाय में बेरोजगार स्नातकों को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक-गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री और वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) 1986-87 के दौरान देश में प्राकृतिक गैस का उत्पादन लगभग 27 एम एम सी एम डी हुआ तथा आशा है कि सातवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक यह उत्पादन लगभग 40 एम एम सी एम डी तक होगा ।

(ख) ओ एन जी सी तथा आयल इंडिया लि० तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण और उत्पादन में लगा हुआ है इसके साथ ही गेल इसके परिवहन और विपणन में लगा हुआ है ।

(ग) एल पी जी हाट प्लेटों का उत्पादन निजी क्षेत्र में किया जाता है तथा सरकार की इसमें कोई विशेष भूमिका नहीं है। इसलिए इसके विनिर्माण उद्योग में बेरोजगार स्नातकों को सरकार द्वारा लगाये जाने का प्रश्न नहीं उठता ।